भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 695
दिनांक 07 फरवरी, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

विभिन्न रोगों के मामले

695. श्री राधेश्याम राठिया:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या छत्तीसगढ़ राज्य में कैंसर आदि जैसी विभिन्न बीमारियों के मामले तेजी से फैल रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) देश में उक्त स्वास्थ्य खतरों की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई/किए जाने का प्रस्ताव है;
(ग) देश में असहाय और प्रभावित लोगों को नि: शुल्क दवाएं और अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं; और
(घ) क्या सरकार ने इस संबंध में राज्य सरकारों को कोई निर्देश/दिशानिर्देश जारी किए हैं और यदि हां, तो छत्तीसगढ़ सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने कैंसर, मधुमेह और हृदय रोगों सहित गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) में वृद्धि की सूचना दी है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के अनुसार, उच्च रक्तचाप और मधुमेह की व्याप्तता क्रमश: 25.7 प्रतिशत और 9.9 प्रतिशत है। राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री से पता चलता है कि छत्तीसगढ़ में मुख, गर्भाशय ग्रीवा, फेफड़े का कैंसर और अन्य कैंसर व्याप्त हैं जिनमें मुख कैंसर अत्यन्त आम है।

(ख) से (घ) प्रमुख गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए, वर्ष 2010 में राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन विकास, शीघ्र निदान, प्रबंधन, रेफरल और स्वास्थ्य संवर्धन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए शुरू किया गया था। एनपी-एनसीडी के तहत, 770 जिला एनसीडी क्लीनिक, 233 कार्डियक केयर यूनिट, 372 जिला डे केयर सेंटर और सीएचसी में 6,410 एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अल्पसेवित समूहों के लिए बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन और स्वास्थ्य परिचर्या की सुलभता मजबूत करने के लिए राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। प्रत्यायित सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशाकर्मी) 30 से अधिक व्यक्तियों के लिए समुदाय आधारित मूल्यांकन चेकलिस्ट (सीबीएसी) का संचालन करती हैं, जो व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के भाग के रूप में मुंह, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच के लिए उच्च

जोखिम वाले मामलों का उल्लेख करती हैं। कैंसर की अनिवार्य औषधियां जिला और उप-प्रभागीय अस्पतालों में उपलब्ध हैं।

सरकारी अस्पताल आयुष्मान भारत – प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत कैंसर सहित प्रमुख एनसीडी के लिए निः शुल्क या रियायती उपचार प्रदान करते हैं, जो 55 करोड़ लाभार्थियों को मध्यम और विशिष्ट परिचर्या के लिए प्रति वर्ष प्रति परिवार 5 लाख रुपये प्रदान करता है। पीएम-जेएवाई 27 स्पेशलिटी के तहत 1,961 प्रक्रियाओं को कवर करता है, जिसमें 200 से अधिक कैंसर उपचार पैकेज शामिल हैं। हाल ही में, स्वास्थ्य कवरेज को सभी वरिष्ठ नागरिकों (70 वर्ष से अधिक आयु) तक बढ़ा दिया गया था।

प्रधान मंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) नामक योजना 14,320 जनऔषधि केंद्रों का संचालन करती है, जहां 87 कैंसर की औषधियां उपलब्ध हैं। अमृत फार्मेसियां (220 राष्ट्रव्यापी) कैंसर, हृदय वाहिका और मधुमेह के लिए रियायती औषधियां प्रदान करती हैं। विशिष्ट परिचर्या कैंसर सुविधा केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण की योजना छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर सहित 39 राज्य कैंसर संस्थानों (एससीआई) और विशिष्ट परिचर्या कैंसर केन्द्रों (टीसीसीसी) को सहायता प्रदान करती है। एससीआई के लिए अधिकतम सहायता 120 करोड़ रुपये और टीसीसीसी के लिए 45 करोड़ रुपये है जिसमें केंद्र-राज्य हिस्सेदारी 60:40 (पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों के लिए 90:10) है।

नैदानिक, चिकित्सा और शल्य चिकित्सा सुविधा केन्द्रों के साथ सभी 22 नए एम्स में कैंसर उपचार सुविधा केंद्रों को मंजूरी दी गई है।

छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा की गई पहलें निम्नानुसार हैं –

i. जिला स्तर पर तंबाकू नियंत्रण जागरूकता अभियान।
ii. स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए योग और आरोग्य कार्यक्रम।
iii. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और जिला अस्पतालों में कैंसर जांच सेवाएं।
iv. मुख्यमंत्री बाल मधुमेह योजना के तहत टाइप-1 मधुमेह वाले बच्चों के लिए इंसुलिन का प्रावधान।
v. सभी जिलों में 6-8 बिस्तरों वाले डे केयर कीमोथेरेपी इकाईयां।
vi. कैंसर और एनसीडी रोगियों के लिए निः शुल्क दवा।
vii. एनएचएम प्रमुख एनसीडी जागरूकता दिवसों के पालन सहित प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से एनसीडी जागरूकता अभियानों की सहायता करता है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर आरोग्य कार्यकलापों और सामुदायिक स्तर के संचार को बढ़ावा देते हैं।

एनसीडी के निवारक पहलू को आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के तहत मजबूत किया जाता है, आरोग्य कार्यकलापों और लक्षित सामुदायिक संचार को बढ़ावा दिया जाता है। प्रमुख एनसीडी जागरूकता दिवसों के पालन सहित प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से जन जागरूकता बढ़ाई जाती है। एनएचएम के तहत एनपी-एनसीडी जागरूकता सृजन कार्यकलापों के लिए छत्तीसगढ़ सहित राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

*****